तापमान
अधिकतम 31.4 डिग्री
न्यूनतम 16.6 डिग्री

हरिभूमि
बालोद भूमि
रायपुर, सोमवार 7 सितंबर 2026

12 मिट्टी से आकार ले रहे गणेश की प्रतिमा, अंतिम रूप देने में जुटे ...

11 पीपरछेड़ी स्कूल में शिक्षक दिवस पर शिक्षकों...

तीजा-पोला को लेकर सजने लगा दल्लीराजहरा का कुम्हार पसरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दल्लीराजहरा

छत्तीसगढ़ की लोकपरंपरा और ग्रामीण संस्कृति से गहराई से जुड़ा तीजा-पोला पर्व नजदीक आते ही लौह अयस्क नगरी दल्लीराजहरा में भी इसकी तैयारियां जोर पकड़ने लगी हैं। शहर के न्यू मार्केट स्थित कुम्हार पसरा में मिट्टी से तैयार किए गए आकर्षक बैल, नंदी सहित विभिन्न प्रकार के मिट्टी के खिलौने सजने लगे हैं। पर्व को लेकर कुम्हार परिवारों ने कई दिनों पहले से ही मिट्टी के पारंपरिक खिलौने तैयार करने शुरू कर दिए हैं। अब बाजार में इनकी बिक्री के लिए दुकानें सजने लगी हैं। तीजा-पोला छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति और कृषि परंपरा से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। इस अवसर पर घर-घर में मिट्टी के बैल और नंदी की पूजा करने की परंपरा रही है। यही वजह है कि आधुनिकता के इस दौर में भी मिट्टी से बने बैलों की मांग बनी हुई है। न्यू मार्केट के कुम्हार पसरा में विभिन्न आकार और आकर्षक रंगों में सजे मिट्टी के बैल लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं।

परंपरा से जुड़ा है हमारा रोजगार: कारीगर : कुम्हार कारीगरों का कहना है कि मिट्टी के बैल बनाना उनके परिवार की पुरानी कला है। पहले गांवों में पोला पर्व के दौरान मिट्टी के बैलों की बड़ी मांग रहती थी। अब शहरों में भी लोग परंपरा को निभाने के लिए मिट्टी के बैल ▶▶|शेष पेज 11 पर

मिट्टी के बैल, नंदी और पारंपरिक खिलौनों से गुलजार हुआ न्यू मार्केट, पर्व को लेकर बाजार में बढ़ी रौनक

कुम्हार परिवारों ने शुरू की तैयारी

पर्व को ध्यान में रखते हुए कुम्हार परिवारों ने मिट्टी तैयार करने से लेकर बैलों की आकृति बनाने, उन्हें सुखाने और रंग-रोगन करने तक का काम पूरा कर लिया है। कई कारीगर सुबह से देर शाम तक अपने परिवार के सदस्यों के साथ मिट्टी के बैल और अन्य पारंपरिक सामग्री तैयार करने में जुटे हैं। कुम्हारों का कहना है कि तीजा-पोला उनके लिए केवल बिक्री का अवसर नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही कला और परंपरा को जीवित रखने का पर्व भी है। शहर के कुम्हार पसरा में सजे मिट्टी के रंग-बिरंगे बैल छत्तीसगढ़ की ग्रामीण संस्कृति की झलक प्रस्तुत कर रहे हैं। बाजार में आने वाले लोग मिट्टी से बने इन पारंपरिक खिलौनों को देखकर पुराने समय की यादों से भी जुड़ रहे हैं।

खबर संक्षेप

सत्यसाईं सेवा समिति के 50 सदस्य प्रशांति निलयम में सेवा के लिए पहुंचे

बालोद/सिकोसा। सत्यसाईं सेवा समिति बेलोदी के तत्वावधान में पुटपरती प्रशांति निलियम (आंध्रप्रदेश) में सेवा दल के रूप में ग्राम हल्दी, बेलौदी, तमोरा, खुटेरी, अचौद, मचौद, पैरी, गुंडरदेही, चन्दनबिरही, चिचा के लगभग 50 व्यक्ति 8 दिवसीय सेवा देने पहुंचे है। जहां वे सेवा के साथ साधना, आध्यात्मिक उन्नति, अनुशासन, भजन आदि का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। सेवा दल में अनिल कटहरे, लोचन सिन्हा, रमहऊ सिन्हा, केशव राम साहू, बसंत चंद्राकर, नेतराम साहू, घना राम साहू, बुधारू राम, टीकम सिंह, केशुराम, चुनूं राम चंद्राकर, निर्मल सिंह, अर्जुन सिंह, लीलू राम, महादेव, भुवन लाल, आधारी सिन्हा, सोहन कश्यप, बुधु मार्कण्डेय, उर्मिला बंजारे, विमल जोशी, दीपलता नेताम, रामेश्वरी चंद्राकर, उत्तर चंद्राकर, रेवती साहू, राधा सिन्हा, त्रिवेणी साहू आदि शामिल है।

पसौद में 13 सितंबर को हरियाली तीज मिलन एवं सम्मान समारोह

बालोद। ग्राम पसौद में हरियाली तीज पर्व के अवसर पर मिलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन 13 सितंबर को किया जाएगा। यह आयोजन का 15वां वर्ष है। कार्यक्रम का आयोजन समरसता भवन, पसौद में शाम 7 बजे से शुरू होगा। आयोजनकर्ता के अनुसार कार्यक्रम का उद्देश्य तीज पर्व की खुशियों को साझा करने के साथ ग्रामीणों के बीच आपसी प्रेम भाई चारा और सामाजिक समरसता को मजबूत करना है, समारोह में तीज मिलन के साथ सम्मान कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा, आयोजन समिति के कार्यकर्ता चुरामन लाल यादव, कामता प्रसाद साहू, राजेन्द्र साहू, भरतध्वज साहू, गेंद लाल सेन, डाल सिंह पटेल, खुमान साहू, दुर्गेश यादव एवं रामप्यारी साहू सहित ग्राम के अन्य लोग आयोजन की तैयारियों में जुटे है।

पेंशनर समाज की मासिक बैठक 9

गुण्डरदेही। छत्तीसगढ़ पेंशनर समाज तहसील शाखा गुण्डरदेही की मासिक बैठक 9 सितंबर दिन बुधवार को पेंशनर भवन गुण्डरदेही में दोपहर 12 बजे आयोजित की गई है, बैठक में मुख्य रूप से पेंशनरों की समस्याओं पर विचार किया जाएगा जिन पेंशनरों की उम्र 80 वर्ष पूर्ण हो गई है उनके आवेदन को बैंक में देकर 20 प्रतिशत पेंशन में वृद्धि करने हेतु आवेदित की किया जाएगा, छत्तीसगढ़ प्रदेश स्तर पर पेंशनरों का सम्मेलन 30 अगस्त को रायपुर में संपन्न हुआ इसकी जानकारी भी दी जाएगी।

काउ कैचर दल से विवाद करने पर एफआईआर

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में आवारा मवेशियों को पकड़ने एवं यातायात तथा सार्वजनिक व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए संचालित काउ कैचर अभियान के दौरान शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने के मामले में खुर्सीपार थाना में महिला के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया गया है। 5 सितंबर को नगर निगम के का कैचर दल द्वारा खुर्सीपार क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 46 में रामचंद्र होटल के सामने सार्वजनिक सड़क पर चार लावारिस गाय-बछड़ों को पकड़ने की कार्रवाई की जा रही थी। इसी दौरान वहां मौजूद एक महिला द्वारा निगम की कार्रवाई का विरोध करते हुए कर्मचारियों से विवाद किया गया तथा पकड़े गए मवेशियों को वाहन से उतारने का दबाव बनाया गया। शिकायत में शासकीय कार्य में व्यवधान उत्पन्न करने तथा निगम कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार एवं धमकी देने का भी उल्लेख किया गया है।

बरगद-पीपल से हरा-भरा होगा बालोद, गांव-गांव बनेगी पर्यावरण प्रेमियों की टीम

वन विभाग की अनूठी पहल: तालाबों के किनारे लगाए जाएंगे 6 फीट ऊंचे बरगद-पीपल के पौधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दल्लीराजहरा

जिले को हरियाली की नई पहचान देने और पर्यावरण संरक्षण को जन-जन का अभियान बनाने की दिशा में वन विभाग ने एक बड़ी और अनूठी पहल की तैयारी की है। बालोद वनमंडलाधिकारी अभिषेक अग्रवाल दल्लीराजहरा दौरे पर पहुंचे और इस दौरान उन्होंने हरिभूमि से विशेष चर्चा में कहा कि संपूर्ण बालोद क्षेत्र को अधिक से अधिक हराभरा बनाने का संकल्प लेते हुए गांव-गांव में पर्यावरण प्रेमियों की एक मजबूत टीम खड़ी करने की योजना बनाई है। अभियान के तहत आने वाले समय में जिलेभर में लाखों पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

इस मुहिम की खास बात यह होगी कि बरगद और पीपल जैसे छायादार एवं धार्मिक-सांस्कृतिक महत्व वाले वृक्षों को प्राथमिकता दी जाएगी। वन विभाग की ओर से लगभग 6 फीट ऊंचाई के बरगद और पीपल के तैयार पौधे ग्राम पंचायतों के जनप्रतिनिधियों को निःशुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके लिए ग्राम पंचायत के प्रतिनिधि पौधा लेकर जाएंगे, उसे गांव में उचित स्थान पर लगाएंगे और पौधा लगाने के बाद उसकी तस्वीर खींचकर संबंधित व्हाट्सएप समूह में साझा करेंगे।

ग्राम पंचायतों को निःशुल्क मिलेगा पौधा

तालाबों के किनारे बनेंगे हरियाली के नए केंद्र

अभियान में गांवों के तालाबों के आसपास, सार्वजनिक स्थानों और अन्य उपयुक्त जगहों को विशेष रूप से चिन्हित कर बरगद और पीपल के पौधे लगाने पर जोर दिया जाएगा। बरगद का विशाल वृक्ष न केवल लंबे समय तक घनी छाया प्रदान करता है,

बल्कि ग्रामीण जीवन में इसका विशेष सामाजिक और धार्मिक महत्व भी है। पीपल भी भारतीय परंपरा में पूजनीय वृक्ष माना जाता है। अभिषेक अग्रवाल के अलावा विशेषज्ञों का मानना है कि यदि गांव के तालाबों और सार्वजनिक स्थानों पर बड़े आकार के पौधे लगाए जाएं और उनका संरक्षण सुनिश्चित किया जाए तो आने वाले वर्षों में ये स्थान हरियाली, छाया और स्वच्छ वातावरण के बड़े केंद्र बन सकते हैं।

एक पंचायत, एक पेड़' से आगे बढ़ेगा अभियान

इस मुहिम को केवल पौधरोपण तक सीमित नहीं रखा जाएगा। उद्देश्य यह है कि प्रत्येक गांव में पर्यावरण संरक्षण को लेकर कुछ उत्साही लोगों को जोड़कर 'पर्यावरण प्रेमी मित्र' के रूप में एक बड़ी टीम तैयार की जाए। ये लोग अपने गांव में पौधरोपण, पौधों की सुरक्षा, संरक्षण और पर्यावरण जागरूकता के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। वन विभाग की ओर से अभियान से जुड़ने वाले लोगों को बुनियादी आवश्यक,, उपकरण उपलब्ध कराने तथा उनकी पहचान के लिए पहचान पत्र देने की योजना भी है। इससे गांव-गांव में पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करने वाले लोगों को एक अलग पहचान मिलेगी और उनके माध्यम से एक संगठित पर्यावरण प्रहरी दल तैयार हो सकेगा।

एक बरगद की कीमत 300 से 350 रुपए, लेकिन होगा निःशुल्क

वन विभाग की ओर से तैयार किए जाने वाले इन पौधों में बरगद का एक पौधा लगभग 300 से 350 रुपये मूल्य का है। पर निःशुल्क वितरण किया जाएगा। वन विभाग की इस पहल को केवल सामान्य पौधरोपण कार्यक्रम न बनाकर पर्यावरण संरक्षण के महाउत्सव के रूप में आगे बढ़ाने की तैयारी है। इसमें ग्राम पंचायतों, जनप्रतिनिधियों, युवाओं, सामाजिक संगठनों, पर्यावरण प्रेमियों और आम नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा। वन मंडलाधिकारी अभिषेक अग्रवाल ने संवाद के दौरान संपूर्ण बालोद क्षेत्र को हरियाली से आच्छादित करने का संकल्प व्यक्त करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल वन विभाग की जिम्मेदारी नहीं है। जब गांव का प्रत्येक व्यक्ति और प्रत्येक पंचायत इस अभियान से जुड़ेगी, तभी पौधों को वृक्ष बनाने और बालोद को हराभरा बनाने का सपना साकार होगा। वन विभाग की यह पहल यदि ग्राम पंचायतों और आम नागरिकों के सहयोग से जमीन पर उतरी तो बालोद जिले के गांवों में बरगद और पीपल की छाया आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्यावरण संरक्षण की जीवंत मिसाल बन सकती है।

डॉ. ममता साहू ने किया आंगनबाड़ी केंद्र के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बालोद

जिले के ग्राम पंचायत बोडेना में आज आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक–1 के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने किया। इस अवसर पर उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र के 14 नन्हे बच्चों को ईसीसीई किट एवं ताजे फलों का वितरण कर केंद्र की शैक्षणिक व पोषण गतिविधियों की शुरुआत की।

■ 14 नन्हे बच्चों को वितरित की गई ईसीसीई किट और ताजे फल

समारोह मे डॉ. ममता साहू ने कहा कि महिलाओं का शिक्षित और आत्मनिर्भर होना पूरे परिवार व समाज के उत्थान की पहली शर्त है। उन्होंने माताओं और बहनों से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान करते हुए कहा कि शासन द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी रखें और उनका भरपूर लाभ उठाएं। उन्होंने ग्रामीणों से बच्चों के सवांगींण विकास व सुपोषण के लिए उन्हें नियमित रूप से आंगनबाड़ी केंद्र भेजने की अपील की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में नगर पालिका बालोद अध्यक्ष प्रतिभा चौधरी, जनपद सदस्य गुण्डरदेही टुकेश्वरी साहू, ग्राम पंचायत बोडेना सरपंच प्रेमी तलाम, क्रान्तिभूषण साहू, धनाराम साहू, लक्ष्मी साहू तथा कांति साहू उपस्थित रहीं। अन्य अतिथियों ने भी अपने विचार रखते हुए ग्राम स्तर पर महिला एवं बाल विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया।

खप्परवाड़ा में आंगनबाड़ी भवन का लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अण्डा

गुण्डरदेही ब्लॉक के ग्राम खप्परवाड़ा में आंगनबाड़ी भवन लोकार्पण एवं कला मंच निर्माण भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गुंडरदेही विधानसभा क्षेत्र के विधायक कुंवर सिंह निषाद शामिल हुए। उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर नवनिर्मित आंगनबाड़ी भवन का लोकार्पण किया तथा कला मंच निर्माण के लिए भूमिपूजन किया।

■ कला मंच निर्माण का भूमिपूजन

इस अवसर पर विधायक कुंवर सिंह निषाद ने कहा कि गांवों में बुनियादी सुविधाओं के विकास के साथ सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। आंगनबाड़ी भवन के माध्यम से बच्चों एवं महिलाओं को सुविधाएं मिलेंगी। वहीं, कला मंच के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्र में सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी कला प्रस्तुत करने के लिए मंच उपलब्ध होगा। कार्यक्रम में जनपद पंचायत गुंडरदेही अध्यक्ष पुरुषोत्तम चंद्राकर, महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी खिलेश्वरी नेताम, धनेश चंद्राकर, सरपंच सुधा चंद्राकर, दिनेश चंद्राकर, धनेश चन्द्राकर, पंचायत सचिव दशरथ लाल व पंचायत के सभी पंच सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। अध्यक्ष जनपद पुरूषोत्तम चन्द्राकर ने कहा कि गांव का विकास सबका विकास होगा।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में भूमिका के लिए हर्षिता कोठारी को कलेक्टर ने प्रदान किया प्रशस्ति पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| डौंडीलोहारा

वनांचल के ग्राम नंगुटोला (फिरतुटोला) में 2 सितंबर को कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा प्राथमिक शाला के बच्चों के बीच अपना जन्मदिन मनाने पहुंचीं। इस अवसर पर कलेक्टर के स्वागत के लिए स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम की तैयारी करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली लोक गायिका एवं प्रशिक्षिका हर्षिता कोठारी को प्राथमिक शाला नंगुटोला की ओर से प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने अपने करकमलों से हर्षिता कोठारी को प्रमाण पत्र प्रदान किया। हर्षिता कोठारी पिछले करीब 12 वर्षों से छात्र जीवन से ही सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़ी हुई हैं। वे स्कूलों के बच्चों को छत्तीसगढ़ी लोकगीत, लोकनृत्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए प्रशिक्षण देती आ रही हैं। छत्तीसगढ़ की लोक सांस्कृतिक संस्था 'लोक सिरजन' डौंडीलोहारा से जुड़कर लोक गायिका एवं प्रशिक्षिका के रूप में उन्होंने छत्तीसगढ़ के अलावा महाराष्ट्र, ओडिशा और मध्यप्रदेश सहित विभिन्न स्थानों पर करीब 350 कार्यक्रमों में प्रस्तुति दे चुकी है। छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध गीतकार, गायक, संगीतकार एवं फिल्म गीतकार विष्णु कोठारी 'मीत' की सुपुत्री हर्षिता कोठारी अपने पिता को अपना प्रथम गुरु मानती हैं। कलेक्टर के हाथों प्रशस्ति पत्र प्राप्त होने पर हर्षिता कोठारी ने इसे अपने लिए गौरव और सौभाग्य का क्षण बताया। उन्होंने शाला परिवार, ग्रामवासियों एवं कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के प्रति आभार व्यक्त किया।

■ नंगुटोला में स्कूली बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम की तैयारी में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

आत्मज्ञान भवन में शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित

शिक्षक बच्चों को जीवन जीने की कला सिखाने वाले शिल्पकार : बीके विजयलक्ष्मी दीदी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बालोद

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय आत्मज्ञान भवन आमापारा द्वारा रविवार को शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। प्राचार्य अरूण साहू, जगदीश देशमुख, राज्य रेडक्रास सोसायटी चेयरमेन एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष तोमन साहू, प्राचार्य आर.एल. ठाकुर, ब्रह्माकुमारीज संचालिका बी.के. विजयलक्ष्मी दीदी, बी.के. सरिता दीदी के द्वारा दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। मंच संचालन बी.के. नेहा दीदी ने किया।

बी.के. विजयलक्ष्मी दीदी ने कहा कि जैसे एक दीपक रौशनी फैलाता है, एक अगरबत्ती खुशबू फैलाता है, ऐसे ही शिक्षकों का जीवन है, जो दूसरों के लिए जीते है। अरस्तु ने कहा था माता पिता जीवन देते है पर जीवन जीने की कला शिक्षक सिखाते है। शिक्षक अर्थात शिष्य,क्षमा भाव,कलाओं में निपूर्ण। शिक्षक वह जो अपने शिष्यों की हर बुराईयों को गलतियों को क्षमा करते हुए उन्हें जीवन जीने की कला सिखा दे। लेकिन अब जरूरत है अच्छा सोचने की कला, मधुर बोलने की कला, अच्छाई व सबकी विशेषता देखने की कला, श्रेष्ठ कर्म करने की कला, ज्ञान की व सकारात्मक बाते सुनने की कला सिखाया जाये और यही जीवन जीने की कला है। वैसे भी शिक्षक एक शिल्पकार की तरह है जो अबोध बच्चों की अपने गुणों और विशेषताओं द्वारा उनके मन में भाव भर दे जिससे समाज और राष्ट्र के हित में कार्य कर सके।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय में स्वयं निराकार परमात्मा शिव जो सभी गुणों और शक्तियों का मूल स्त्रोत है ऐसे परम शिक्षक परमात्मा से राजयोग का ज्ञान लेकर अपने जीवन श्रेष्ठ मूल्यवान बना सकते है। बी.के. सरिता दीदी ने कहा शिक्षा वास्तव में वो होनी चाहिए जो व्यक्ति के सवांर्गीण विकास को ध्यान में रखते हुए दी जाती है। क्योंकि हमारा जो लक्ष्य है कि हम ऐसे विद्यार्थी तैयार करे जो देश को ऊँचाई पर ले जाएं, तो इसके लिए सवांर्गीण विकास की जरूरत है केवल किताबी ज्ञान देना उसको पढ़कर डिग्रीयां लेना शिक्षा का केवल यही लक्ष्य नहीं है। शारीरिक विकास, मानसिक विकास, बौध्दिक विकास, भावनात्मक विकास, आध्यात्मिक विकास भी हो तब कहा जाएगा सवांर्गीण व्यक्तित्व विकास।

जगदीश देशमुख ने कहा कि गीता, उपनिषद, ब्रह्मसूत्र के ज्ञान को भारतीय दर्शन में किसी न किसी के माध्यम से दिया जाता है। वर्तमान समय नैतिक व आध्यात्मिक मूल्यों की महति आवश्यकता है। जब हम ज्ञान को अपने आचरण में लाते है तब ही हम बच्चों के भविष्य निर्माता बन सकते है। मूल्यनिष्ठ शिक्षा के कारण भारत महान था और विश्व में अपनी एक शान और पहचान थी। उन्होंने कहा कि प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय में दी जाने वाली शिक्षा ही मूल्यनिष्ठ शिक्षा का दूसरा नाम है। अरूण साहू ने कहा कि शिक्षक का गुण है, उन गढ़ी हुई बातों के साथ कैसे आगे ले जाएं। शिक्षक भी स्वयं चेतना को प्रकाशित कर समाज के लिए एक संदेश भेजे कि मै स्वयं भी प्रकाशित हूं मेरे बच्चे जो पात्र है वहां तक प्रकाश पहुंचे और प्रकाश को ग्रहण करे।

तोमन साहू ने कहा कि हम सौभाग्यशाली है कि आज परम शिक्षक के यहां आए है परमात्मा भी शिक्षक बनकर यह ज्ञान दे रहे जो रोज हमें नई दिशा की ओर जाने की श्रेष्ठ शिक्षा हमें यहां देते है।

खबर संक्षेप

पेयजल और सफाई व्यवस्था ठप

भिलाई। भिलाई-चरोदा निगम के पूर्व पार्षद राजेन्द्र कुमार सोनी ने महापौर पर गम्भीर आरोप लगाते हुए कहा कि जबसे कांग्रेस की शहर सरकार बनी है, वार्डों में पेयजल और बिजली की समस्या बनी हुई है, यहां ना हीं नगर निगम में लाईट है और ना ही लाईटों के संधारण समय पर किया जा रहा है। भिलाई-चरोदा में जनता अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। वार्डों में पानी के मोटर संधारण कार्य भी अटका पड़ा है। जनता समस्याओं से जूझ रही हैं और मुलभूत सुविधाओं के लिए परेशान है। पूर्व पार्षद राजेन्द्र सोनी ने कहा कि महापौर सिर्फ बड़ी-बड़ी बातें करते है विकास के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति हुई। उन्होंने आरोप लगाया है कि कांग्रेस पार्टी के लोगों को रोड की समस्याओं को लेकर गंदे पानी तक की जानकारी उन्हें नहीं है। ना ही वार्डों में कचरा उठ रहे हैं ना ही नाली की सफाई हो रही है।

बीएसपी कर्मी पर हमला

भिलाई। बीएसपी के प्रवर्तन टीम के कर्मचारी के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घायल कर्मचारी कुतुबुद्दीन का इलाज सेक्टर-9 अस्पताल में जारी है। सीटू यूनियन के पदाधिकारियों ने इस मामले को गंभीरता से लते हुए हमलावर पर कार्रवाई करने की मांग की है। जानकारी के अनुसार विगत 3 सितंबर की शाम अवैध कब्जों को हटाने बीएसपी इंफोर्समेंट की टीम सेन्ट्रल एवेन्यू गई थी। इस दौरान अवैध कब्जा करने वाले व्यक्ति ने कुतुबुद्दीन पर हमला कर दिया। इससे कुतुबुद्दीन को गंभीर चोंटे आई। इस मामले को लेकर सीटू यूनियन ने नगर सेवा विभाग के महाप्रबंधक अतुल नौटियाल और प्रवर्तन विभाग प्रभारी रेमी थॉमस से मिलकर हमलावर पर कार्रवाई कराने मांग की। यूनियन ने इस प्रकार बार-बार कर्मचारियों पर हो रहे हमले की निंदा करते हुए स्थाई समाधान की मांग की है।

टाउनशिप में अनधिकृत होर्डिंग्स न लगाएं : बीएसपी

भिलाई। बीएसपी टाउनशिप में विभिन्न स्थानों पर अनधिकृत होर्डींग्स लगाए जा रहे हैं। इससे टाउनशिप की सुंदरता प्रभावित होने के साथ दुर्घटना की स्थिति बन सकती है। बीएसपी प्रबंधन ने बिना अनुमति के होर्डंग्स नहीं लगाने और जनसहयोग की अपील की है। जन्मदिन की शुभकामनाएं, धार्मिक कार्यक्रमों आदि गतिविधियों से संबंधित होर्डिंग्स बीएसपी के सक्षम प्राधिकारी से पूर्व अनुमति प्राप्त किए बिना लगाए जा रहे है। बीएसपी में उत्पादों एवं कार्यक्रमों के प्रदर्शन के लिए प्रमाणित स्थान निर्धारित किए गए हैं।

3 माह से लापता युवक का नहीं मिला सुराग

भिलाई। तीन माह से लापता युवक की पुलिस कोई खोज खबर नहीं ले पाई है। घटना की शिकायत स्मृति नगर पुलिस चौकी में की गई है। एलआईजी 169 दीनदयाल कालोनी ग्राम जुनवानी भिलाई निवासी संध्यारानी दास ने बताया कि 30 जून से संदीप कुमार दास घर से बिना बताए गायब हो गया है।हाफ पैंट, टीशर्ट पहनकर घर से निकला है। वह बेरोजगारी के कारण परेशान था। वर्ष 2008 में भी इसी तरह चला गया था। अज्ञात लोग उसके साथ मारपीट कर वैसे छोड़ा गया। बीते 25 सालों से संध्या संदीप का देखभाल कर रही है।

कांग्रेस ने युवा ब्रिगेड तैयार करने ब्लॉक अध्यक्षों की लगाई पाठशाला

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

छत्तीसगढ़ कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर अभेद्य और चुनावी रूप से बेहद आक्रामक बनाने के लिए चलाए जा रहे संगठन सृजन अभियान के तहत ब्लॉक अध्यक्षों एवं मास्टर ट्रेनर के प्रशिक्षण शिविर के द्वितीय चरण का शुभारंभ हुआ। बस्तर संभाग में तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के बाद दुर्ग संभाग के पुलगांव दुर्ग में स्थित 36 फोर्ट में संभाग के सभी ब्लॉक अध्यक्षों और मास्टर ट्रेनर्स के लिए तीन दिवसीय आवासीय महापाठशाला की शुरुआत की गई है।

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की गरिमामयी उपस्थिति में दीप प्रज्वलन और राष्ट्रगीत के साथ इस विशेष शिविर का आगाज हुआ। बस्तर की ही तरह इस शिविर को भी पूरी तरह नो-फोन ज़ोन रखा गया है, जहां शिविर स्थल में प्रवेश के साथ ही सभी पदाधिकारियों और ब्लॉक अध्यक्षों के मोबाइल फोन जमा करा लिए गए हैं। इसका मुख्य उद्देश्य बिना किसी बाहरी भटकाव के पूरे 72 घंटे केवल वैचारिक मजबूती, संगठन विस्तार और आगामी 2028 विधानसभा चुनाव की रणनीति पर ध्यान केंद्रित करना है। अगले तीन दिनों में इन्हें वो गुर सिखाए जाएंगे, जिससे भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों और वादों की हवा हर गांव और हर बूथ पर निकाली जा सके। 2028 में कांग्रेस की वापसी का रास्ता दुर्ग संभाग से होकर ही मजबूत होगा ऐसा माना जा रहा है।

संगठन सृजन अभियान का दूसरा चरण दुर्ग में प्रारंभ, तीन दिवसीय महाप्रशिक्षण शिविर का शंखनाद

चुनावी रणनीति तैयार करने और जनता से संपर्क के दिए जा रहे टिप्स

आज से शुरू हुए इस तीन दिवसीय आवासीय शिविर में प्रदेश कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व केबिनेट मंत्री रविन्द्र चौबे, ताम्रध्वज साहू, मोहम्मद अकबर, अनिला भेड़िया, महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष संगीता सिन्हा, सहप्रभारी संपत कुमार, विजय जांगिड़, प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैन्दू, पूर्व विधायक अरुण वोरा, विधायक कुंवर सिंह निषाद, भोलाराम साहू, हर्षिता बघेल, पूर्व विधायक प्रतिमा चंद्राकर, गुरुदयाल बंजारे, विशेष रूप से मौजूद रहे जो ओराशिक्षण के दौरान अपना अनुभव साझा करेंगे।

संभाग से बूथ स्तर तक पहुंचेगा यह कारवां, अभियान की शुरुआत जल्द

कांग्रेस की इस दूरगामी रणनीति के तहत दुर्ग संभाग के इस शिविर में प्रशिक्षित होने वाले ब्लॉक अध्यक्ष आगे चलकर अपने-अपने क्षेत्रों में मास्टर ट्रेनर की भूमिका निभाएंगे। संभाग स्तर का यह प्रशिक्षण समाप्त होने के बाद ये पदाधिकारी जिला, ब्लॉक, मंडल और अंततः बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को ठीक इसी प्रकार अनुशासित ढंग से प्रशिक्षित करेंगे। संभाग में आयोजित इस महत्वपूर्ण तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर को सफल बनाने के लिए दुर्ग ग्रामीण, दुर्ग शहर एवं भिलाई नगर कांग्रेस संगठन पूरी ताकत के साथ जुटा हुआ है। कार्यक्रम की व्यापक तैयारियों की जिम्मेदारी जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग ग्रामीण के जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर, दुर्ग शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल एवं भिलाई नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर के नेतृत्व में कांग्रेसजनों द्वारा संभाली जा रही है।

पैरामेडिकल स्टॉफ की कमी व रिफर सिस्टम पारदर्शी नहीं होने से मरीजों को परेशानी

सेक्टर-9 अस्पताल के निजीकरण की प्रक्रिया के बीच सुविधाएं दुरुस्त करने प्रबंधन पर दबाव

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

बीएसपी के सेक्टर 9 अस्पताल के निजीकरण की प्रक्रिया तेज होने और इसके चौतरफा पुरजोर विरोध के बीच हास्पिटल में चिकित्सा सुविधाओं और व्यवस्था को दुरुस्त करने यूनियनों और जन प्रतिनिधियों द्वारा सुविधाओं को अपडेट किए जाने पर भी दबाव बनाया जा रहा है। यहां मानकों के अनुरुप विशेषज्ञ चिकित्सक और नर्सिंग स्टाफ बढ़ाने के साथ अन्य अस्पतालों में रिफर किए जाने की व्यवस्था को सहज बनाने की मांग की गई है।

सीटू यूनियन की जेएलएन अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. उदय धावर्डे और एडमिनिस्ट्रेटर महाप्रबंधक संजय शर्मा के साथ हुई बैठक में हास्पिटल की चिकित्सा सुविधाओं और मरीजों से संबंधित कई अहम समस्याओं के निदान की मांग की गई।अस्पताल में कई विभागों में विशेषज्ञ डाक्टरों व चिकित्सकों सहित पैरामेडिकल कर्मियों की कमी से मरीजों को परेशानी हो रही है। यूनियन ने अब एनएबीएच के मानकों के अनुरूप डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ, तकनीशियन और फार्मासिस्टों की संख्या बढ़ाने की मांग की। साथ ही चिकित्सा कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु को केंद्रीय सरकारी मानकों के अनुरूप 65 वर्ष करने तथा डीएनबी डॉक्टरों की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया। सेवानिवृत्त की आयु बढ़ जाने से डाक्टरों की कमी से राहत मिलेगी। पहले दो स्थायी डॉक्टरों पर एक डीएनबी डॉक्टर की व्यवस्था थी, जिसे अब एक स्थायी डॉक्टर पर एक डीएनबी डॉक्टर किए जाने से डीएनबी डॉक्टरों की संख्या बढ़ाने का आश्वासन मिला है। इसके अलावा अस्पताल में हार्ट और किडनी और कैंसर आदि विभागों में विशेषज्ञ नहीं होने से मरीजों को इलाज के लिए बाहर के अस्पतालों में रिफर किया जा रहा है। सीटू यूनियन ने इस रेफरल व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और कारगर बनाने पर जोर पर दिया।

गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए रेफर किए जाने वाले मरीजों को संबंधित बीमारी के लिए उपयुक्त अस्पतालों की सूची उपलब्ध कराने की पुरानी व्यवस्था को पुनः लागू करने की मांग की गई। रेफरल अस्पतालों की सूची की समीक्षा करने से मरीजों को परेशानी नहीं होगी। डां. उदय ने आश्वस्त किया कि बेहतर डॉक्टर और अस्पताल के संदर्भ में रेफर होने वाले मरीजों के परिजनों को

सीटू यूनियन ने अस्पताल प्रबंधन से की चर्चा

मेडिसिन ओपीडी में अब स्पेशलिस्ट डॉक्टर देखेंगे

अस्पताल में 1 सितंबर से मेडिसिन ओपीडी में नई व्यवस्था लागू की गई है। अब मरीज सीधे ओपीडी में आकर स्पेशलिस्ट डॉक्टर को दिखा सकेंगे। इसके लिए पहले से टोकन लेने की आवश्यकता नहीं होगी। जांच के बाद रिपोर्ट दिखाने के लिए भी मरीजों को अनावश्यक परेशानी न हो, इसके लिए सीधे डॉक्टर को रिपोर्ट दिखाने की व्यवस्था की जा रही है। प्रत्येक डॉक्टर द्वारा कम से कम 60 मरीजों को व्यवस्थित रूप से देखने की व्यवस्था का प्रयास किया गया है।

50 पार वालों की हो ईको जांच

पीडियॉडिक मेडिकल चेकअप में ई सी जी के साथ 50 वर्ष से अधिक आयु के कर्मियों के लिए ईको जांच अनिवार्य करने की मांग रखी गई। इससे समय पर हृदय संबंधी बीमारियों पहचान हो सकेगी।साथ ही एसजीपीजीआई और अन्य बड़े अस्पतालों में रेफर होने वाले मरीजों को मिलने वाली एडवांस राशि 10 हजार से बढ़ाकर 1 लाख करने की मांग की गई। सीएमओ ने राशि को 50, हजार या उससे अधिक करने की संभावना जताई। यूनियन ने रक्तदाता से सीधे प्लेटलेट्स पृथक करने वाली मशीन एवं किट उपलब्ध कराने की मांग भी रखी गई । सीटू ने एन -1सुविधा का दायरा बढ़ाकर भाभी, बहनोई सहित अन्य संबंधित परिजनों को भी शामिल करने की मांग की। साथ ही सेवानिवृत्ति के बाद सेवानिवृत हुए कर्मी के आश्रित माता-पिता को सीएसआर के तहत सेक्टर-9 अस्पताल में निःशुल्क उपचार जारी रखने जोर दिया। अल्ट्रासाउंड एवं एम आर आई के लिए लंबी प्रतीक्षा अवधि को कम कर 15 दिन के भीतर जांच की तारीख उपलब्ध कराने के साथ सभी व्हीलचेयर एवं स्ट्रेचर में फोम के गद्दे लगाने, कैजुअल्टी में स्टाफ बढ़ाने से मरीजों को राहत दिलाने की मांग सीटू ने की।

न्यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी का हो विस्तार

अस्पताल में ऑन्कोलॉजी सर्जरी, न्यूरोलॉजी, कार्डियक और पीडियाट्रिक सर्जरी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और त्वचा रोग आदि विशेषज्ञ विभागों में डॉक्टरों की भर्ती नहीं की जा रही है। पर्याप्त डाक्टरों की भर्ती अथवा ऑन-कॉल विशेषज्ञों की सेवाएं लेने से मरीजों को दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा। सीटू ने मांग की कि सेवानिवृत्त विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएं जारी रखने पर भी जल्द और उचित पहल की जाए। यूनियन के सीएमओ ने बताया कि यूरोलॉजी एवं नेफ्रोलॉजी में विशेषज्ञों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए अनुबंध करने की दिशा में काम किया जा रहा है। अस्पताल में दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा बाहर से दवा खरीदने की स्थिति में रीइंबर्समेंट प्रक्रिया जटिल होने से दिक्कतें हो रही हैं। सीटू ने अमृत फार्मेसी के साथ धनवंतरी एवं जन औषधि को भी जोड़कर प्रतिस्पर्धा बढ़ाने का सुझाव दिया गया, ताकि मरीजों को उचित दर पर दवाइयां मिल सकें।

भाजयुमो की बैठक में अनुशासन और मर्यादा का पढ़ाया पाठ

भिलाई। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा चरोदा मंडल की बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता चरोदा मंडल अध्यक्ष ए गौरीशंकर ने किया। गौरीशंकर ने कहा कि मोर्चा को रीड की हड्डी एवं पार्टी के उज्जवल भविष्य की युवा मोर्चा है। युवा मोर्चा ही कल का नेतृत्व तैयार करेंगे। सभी वरिष्ठ जनों का सम्मान अनुशासन एवं संगठन की मर्यादा बनाए रखने का अहवान किया। सभी युवा मोर्चा के साथियों ने युवा मोर्चा गठन को लेकर अपनी अपनी बातें रखी। आने वाले निकाय चुनाव में भारतीय जनता युवा मोर्चा सक्रिय भागीदारी निभाते हुए वार्ड के साथ ही महापौर प्रत्याशी को भारी बहुमत से जिताने का संकल्प लिया। बैठक में उप नेता प्रतिपक्ष चंद्र प्रकाशपांडे, महामंत्री राजेश मौर्य, पूर्णिमा ठाकुर, परमजीत सिंह, हेमराज साहू रोहित चौधरी, मनोज चक्रधारी,आशीष बोरकर, होरीलाल वर्मा समेत अन्य मौजूद थे।

95 की उम्र में भी थामे रखा कर्म का साथ, अब्दुल रहमान हुए सम्मानित

भिलाई। उम्र के 95वें पड़ाव पर भी सक्रिय रहकर कर्म और आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रहे अब्दुल रहमान का जन्मदिन अगासदिया परिसर, आमदी नगर भिलाई में भावपूर्ण वातावरण में मनाया गया। 1 सितंबर को आयोजित सम्मान समारोह में प्रसिद्ध शायर भाई अब्दुल कलाम के पिता अब्दुल रहमान को शाल-श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित साहित्यकारों और गणमान्य लोगों ने उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। सम्मान के दौरान कमलेश चंद्राकर, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. परदेशीराम वर्मा और त्रयंबक राव साटकर ने अब्दुल रहमान को शाल-श्रीफल भेंट किया। कार्यक्रम में डॉ. परदेशीराम वर्मा ने बताया कि अब्दुल रहमान के बड़े पुत्र 72 वर्ष, मंझले पुत्र 70 वर्ष और सबसे छोटे पुत्र अब्दुल कलाम 64 वर्ष के हैं। इसके बावजूद अब्दुल रहमान आज भी सुपेला में अपनी थोक अनाज की दुकान सक्रिय रूप से संचालित करते हैं। वरिष्ठ साहित्यकार त्रयंबक राव साटकर ने इसे अनोखा और आत्मीय सम्मान समारोह बताते हुए कहा कि आज अधिकांश लोगों के माता-पिता उनके बीच नहीं हैं। ऐसे में अब्दुल कलाम सौभाग्यशाली हैं कि उनके पिता का साया आज भी परिवार और समाज के बीच बना हुआ है।

इस अवसर पर त्रयंबक राव साटकर ने बालगीत संग्रह मधुरम प्रभातम कमलेश चंद्राकर को तथा जीवन एवं जीवन दर्पण काव्य संग्रह भेंट किए। वहीं डॉ. परदेशीराम वर्मा ने जगमग धरती उज्जर अगास पुस्तक त्रयंबक राव साटकर को भेंट की।

एग्रीस्टेक पंजीयन के बिना नहीं बिकेगा धान

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

धान खरीदी के लिए किसानों का शत-प्रतिशत एग्रीस्टेक पंजीयन कराने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में पीडब्ल्यूडी सभाकक्ष में आयोजित बैठक में एग्रीस्टेक एवं बकेट क्लेम में किसानों के पंजीयन के संबंध में सभी अनुविभागीय अधिकारियों, कृषि विभाग, सहकारिता विभाग, अधिकक्षक भू-अभिलेख एवं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक से सम्बद्ध सेवा सहकारी समितियों के संमिति प्रबंधक / प्रभारियों की समीक्षा बैठक ली। कलेक्टर श्री सिंह ने स्पष्ट किया है कि बिना एग्रीस्टेक पंजीयन धान नहीं बिकेगा, सह खातेदारों का भी पंजीयन होना भी आवश्यक है। उन्होने कहा कि इस वर्ष 2026-27 में धान बिकी के लिए एकीकृत किसान पोर्टल पर पंजीयन एवं सह-खातेदारों का बकेट क्लेम अनिवार्य रहेगा। बकेट क्लेम तब बनता है जब किसी कृषि भूमि में एक से अधिक हिस्सेदारी होती है। प्रत्येक हिस्सेदार के नाम से बकेट आईडी बनती है, जिसे एग्रीस्टेक में पंजीयन कराना आवश्यक है। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिये हैं कि बकेट क्लेम और किसानों के पंजीयन का कार्य समय-सीमा में पूरा करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष शिविर आयोजित कर सह खातेदारों का सत्यापन, सहमति और पंजीयन प्रक्रिया को पूरा किया जाएगा ।

संस्थागत छूट वाले किसानों भी अब दायरे में

इस वर्ष संस्थागत छूट को भी समाप्त कर दिया गया है, इस संबंध में भी दुर्ग कलेक्टर श्री सिंह ने बताया है कि पिछले वर्षों में संस्थागत पंजीयन वाले किसानों को जो विशेष छूट दी गई थी, उसे इस वर्ष समाप्त कर दिया गया है। संस्थागत सहित सभी श्रेणियों के किसानों का एग्रीस्टेक पोर्टल पर पंजीयन अनिवार्य है। जिन किसानों का एग्रीस्टेक पोर्टल पर पंजीयन नही होगा, वे किसान धान बिकी से वंचित रह जायेगें। यदि किसी किसान अथवा संस्था धान नही बेचना चाहते, ऐसे किसान अथवा संस्था से लिखित घोषणा पत्र लिये जाने का निर्देश दिया गया है। कलेक्टर श्री सिंह द्वारा समिति प्रबंधक / प्रभारी एवं संबंधित अमले को सभी लंबित बकेट क्लेम का कार्य

खेलों के जरिए स्वास्थ्य और आपसी सामंजस्य का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। इस दौरान हॉकी के खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि देने राष्ट्रीय खेल दिवस के महत्व को बताया।

तीन दिनों तक चली प्रतियोगिताओं में स्टिक बॉल, रिंग टास्क, स्टंप आउट, म्यूजिकल चेयर, मटका फोड़, कैरम एवं शतरंज सहित विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं का उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों में खेल भावना के साथ स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और आपसी सामंजस्य को मजबूत करना रहा। समापन समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. संजय तिवारी ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

उन्होंने कहा कि स्वस्थ जीवनशैली के लिए नियमित रूप से खेलों से जुड़ना जरूरी है। उन्होंने केंद्र सरकार के 'एक घंटा खेल के मैदान में' अभियान को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। साथ ही अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए टेबल टेनिस, कैरम बोर्ड और शतरंज जैसी खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने की बात कही। कार्यक्रम की शुरुआत में खेल संचालक डॉ. डी.के. नामदेव ने मेजर ध्यानचंद की खेल उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेल दिवस का उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना भी है। उन्होंने बताया कि विभिन्न खेल विधाओं में प्रथम चार स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को कुलपति द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. नीलू श्रीवास्तव, वित्त अधिकारी ममता अवस्थी, सहायक कुलसचिव हिमांशु मंडावी सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

शिकायतों का नहीं हो रहा निराकरण, कहा जा रहा है आवंटन नहीं होने की बात

डाटा नहीं हो रहा अपडेट, शक्कर के लिए 3 महीने से भटक रहे अंत्योदय परिवार, राशन के लिए भी लगा रहे चक्कर

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

महंगाई के दौर में गरीब और जरुरतमंद परिवारों को सरकारी राशन भी नहीं मिल पा रहा है। पिछले करीब तीन महीने से हितग्राहियों को खासी परेशानी उठानी पड़ रही है। जानकारी के मुताबिक अंत्योदय परिवारों को पिछले करीब 3 महीने से मिलने वाला शक्कर नहीं मिला है। इतना ही नहीं कई राशनदुकान के हितग्राहियों को खाद्यान्न नहीं मिल पा रहा है। उन्हें राशन दुकानों से बैरंग लौटाया जा रहा है। राशन दुकान के संचालक और कर्मचारी आवंटन नहीं होने की बात कहकर उन्हें लौटा रहे हैं। इस मामले को लेकर कांग्रेस ने व्यवस्था सुधार की मांग की है। अन्यथा उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। खाद्य विभाग के मुताबिक आवंटन नहीं रोका गया है, कुछ जगहों पर तकनीकी दिक्कत हो सकती है। इस मामले को लेकर पूर्व विधायक अरुण वोरा ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले करीब तीन माह से अंत्योदय कार्डधारियों को राशन दुकानों में शक्कर नहीं मिल पा रही है, जिससे सबसे गरीब परिवारों की परेशानी बढ़ गई है। वोरा ने कहा कि अनाज और रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं के दाम बढ़ने से आम आदमी पहले ही आर्थिक दबाव में है। ऐसे समय में अंत्योदय कार्डधारियों को मिलने वाली शक्कर भी राशन दुकानों में उपलब्ध नहीं होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सरकार की राशन व्यवस्था में लापरवाही का सीधा असर उन परिवारों पर पड़ रहा है, जिनके लिए सरकारी राशन ही सबसे बड़ा सहारा है। उन्होंने कहा कि रोज कमाकर खाने वाले गरीब परिवारों के लोग काम पर जाने के बजाय सुबह से राशन दुकानों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। सितंबर माह के पांच दिन बीत जाने के बावजूद शहर की कई राशन दुकानों में अभी तक पूरा राशन नहीं पहुंचा है। जहां राशन पहुंचा भी है, वहां कई जगह मात्रा अधूरी होने की शिकायतें सामने आ रही हैं।

- नहीं सुधरी व्यवस्था तो कांग्रेस करेगी उग्र आंदोलन

डाटा अपडेट नहीं होने की बात कहकर लौटाया जा रहा

अरुण वोरा ने कहा कि राशन दुकानों की मशीनों में सही जानकारी अपडेट नहीं होने के कारण दुकानदार भी कई कार्डधारियों को राशन देने में असमर्थता जता रहे हैं। इससे हितग्राही और राशन विक्रेता दोनों परेशान हैं और व्यवस्था का खामियाजा गरीब जनता को भुगतना पड़ रहा है। वोरा ने प्रशासन से मांग की कि राशन दुकानों में तत्काल पर्याप्त मात्रा में शक्कर एवं अन्य आवश्यक राशन सामग्री उपलब्ध कराई जाए तथा मशीनों में लंबित जानकारी को तत्काल अपडेट किया जाए। उन्होंने कहा कि महंगाई के इस दौर में गरीब परिवारों को राशन के लिए परेशान करना संवेदनहीनता है। उन्होंने प्रशासन से कहा कि राशन वितरण व्यवस्था को सुचारु करते हुए समय पर और पूरा राशन उपलब्ध कराया जाए, ताकि अंत्योदय परिवारों को बार-बार दुकानों के चक्कर न लगाने पड़ें और वे अपने रोजमर्रा के काम पर ध्यान दे सकें।

हरे कृष्ण मंदिर में वृंदावन शैली की बांके बिहारी फूल बंगला सजावट रही आकर्षण का केंद्र

भिलाई। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर अक्षय पात्र परिसर, सेक्टर-6 स्थित हरे कृष्ण मंदिर में भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास का वातावरण रहा। हरे कृष्ण मूवमेंट भिलाई द्वारा आयोजित जन्माष्टमी महोत्सव में दिनभर विभिन्न आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए।

मध्यरात्रि में भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य प्राकट्य महोत्सव के साथ आयोजन का विशेष आकर्षण देखने को मिला। जैसे-जैसे मध्यरात्रि का समय नजदीक आया, पूरा मंदिर हरे कृष्ण नाम-संकीर्तन और भजनों से गूंज उठा। महोत्सव में श्रीश्री राधा-कृष्ण का विशेष महाभिषेक एवं महाआरती की गई। भगवान के प्राकट्य के अवसर पर सैकड़ों श्रद्धालुओं ने नाम-संकीर्तन, दर्शन एवं पूजा-अर्चना में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर मंदिर की वृंदावन शैली की बांके बिहारी फूल बंगला सजावट विशेष आकर्षण रही। वृंदावन से आए विशेषज्ञ कलाकारों ने रंग-बिरंगे पुष्पों से मंदिर को आकर्षक रूप दिया। फूलों से सजे श्रीश्री राधा-कृष्ण विग्रह के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की कतार लगी रही।

जन्माष्टमी के अंतर्गत आयोजित हेरिटेज फेस्टिवल में भारतीय संस्कृति के विविध रंग देखने को मिले। नृत्य, चित्रकला, रंगोली, संगीत एवं भारतीय पाक-कला से जुड़ी प्रतियोगिताओं और प्रस्तुतियों में प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई।आयोजन के समापन पर श्रद्धालुओं एवं अतिथियों को महाप्रसाद का वितरण किया गया। पूरे आयोजन में भक्ति, सेवा, संस्कृति और सामुदायिक सौहार्द का वातावरण बना रहा।

खबर संक्षेप

अधेड़ से 6 लाख की ठगी

भिलाई। क्रेडिट कार्ड के नाम पर बीमा कराने का झांसा देकर ठगी करने वाले अज्ञात के खिलाफ पुलिस ने अपराध कायम किया है। उतई पुलिस ने बताया कि ग्राम डुण्डेरा उतई निवासी दुष्यंत कुमार साहू 50 वर्ष का एसबीआई क्रेडिट कार्ड में बीमा चालु हो गया था। जिसे बंद करवाने का झांसा देकर माह जून जुलाई को अज्ञात ने काल कर ओटीपी पूछा और क्रेडिट कार्ड , डेबिट कार्ड, फोन पे के माध्यम से 6 लाख रुपए पार कर दिया। अज्ञात ने झांसा में लेने के लिए पहले कार्ड के लिए 3000 रुपए प्रतिमाह रकम कटने की बात कहता रहा। साल भर का कुल 36000 हजार रुपए कटने की जानकारी दी गई। अज्ञात कॉलर को सारी जानकारी बता दिया। इसके बाद पीड़ित के खाते से रकम पार हो गया। बैलेंस चेक करने पर पता चला कि खाते से पैसे निकल गए हैं।

जन्माष्टमी के दिन बेच रहा था अवैध शराब, गिरफ्तार

भिलाई। जन्माष्टमी पर प्रतिबंधित होने के बाद भी अवैध शराब बेचने वाले 13 आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से पुलिस ने 13 अलग-अलग जगह पर दबिश देकर 369 पौवा शराब दब्त किया गया। पुलिस ने बताया कि 18 नम्बर रोड, कैम्प-1, वैशाली नगर निवासी चन्द्रकला देवी, रुआबांधा बस्ती महेश साहू, बाम्बे आवास, उरला मोहन नगर सुभाष ठाकुर,अजय विश्वकर्मा, सिरसाकला, भिलाई 3 घनश्याम ठाकुर, नंदिनी रोड, सुभाष नगर छावनी संदीप कुमार, रावण भाठा, जामुल सागर सोनी, बस्ती पारा, नारधा जामुल सूरज धीवर, पाहंदा अमलेश्वर घनश्याम वर्मा, अशोक गेण्डरे, मुरमुन्दा, नंदिनी नगर राजा डहरे, जोरातराई उतई कलावती, उतई रहिपाल साहू को पकड़ा गया। 369 पौवा अवैध शराब जिसकी कीमत 41,680 रुपए है। शराब बिक्री की रकम 2,570 रुपए, मोबाइल, बाइक जब्त किया गया है।

पेज 9 का शेष

तीजा-पोला को....

खरीदते हैं। इससे कुम्हार परिवारों को रोजगार मिलता है और उनकी पारंपरिक कला भी आगे बढ़ती है। रामेश्वर कुमार, रोहित, अरिहंत और सुशीला बाई आदि कुम्हार लोगों ने कहा कि तीजा-पोला के लिए हम लोग कई दिनों से मिट्टी के बैल और नंदी तैयार करने में लगे हुए हैं। मिट्टी को तैयार करने से लेकर बैल बनाने, सुखाने और रंगने तक काफी मेहनत लगती है। पर्व के समय बिक्री अच्छी हो जाए तो परिवार के लिए कुछ आमदनी हो जाती है। सबसे खुशी की बात यह है कि आज भी लोग मिट्टी के बैल खरीदकर हमारी पुरानी परंपरा को जीवित रख रहे हैं। एक अन्य कुम्हार शत्रुघ्न ने कहा कि पहले मिट्टी के खिलौनों की मांग गांवों में अधिक थी, लेकिन अब शहरों में भी लोग पारंपरिक पर्वों को उत्साह के साथ मनाने लगे हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों को भी मिट्टी के पारंपरिक खिलौनों से जोड़ना जरूरी है, ताकि आने वाली पीढ़ी अपनी संस्कृति और लोक परंपराओं को समझ सके। आधुनिकता के बढ़ते प्रभाव के बीच मिट्टी के बैलों की मौजूदगी यह संदेश देती है कि छत्तीसगढ़ की लोकपरंपराएं आज भी लोगों के दिलों में जीवित हैं। तीजा-पोला के अवसर पर मिट्टी के इन पारंपरिक बैलों की पूजा के साथ कुम्हारों की मेहनत और उनकी पीढ़ियों पुरानी कला को भी सम्मान मिलता है।

आयोजन : सेवानिवृत्त व्याख्याता उभय लाल देशमुख रहे मुख्य अतिथि

पीपरछेड़ी स्कूल में शिक्षक दिवस पर शिक्षकों का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बालोद

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पीपरछेड़ी में छात्र संघ द्वारा शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। विद्यालय के परंपरा अनुसार शिक्षक दिवस के मुख्य अतिथि सेवानिवृत व्याख्याता उभय लाल देशमुख थे। विशेष अतिथि हेमंत कुमार चौधरी, संजय कुमार देशमुख को आमंत्रित किया गया।

छात्र संघ पदाधिकारियों द्वारा अतिथियों का शॉल श्रीफल तथा सभी शिक्षकों को लेखनी भेंट कर सम्मानित किया गया। शिक्षकों के सम्मान में बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया। शिक्षकों द्वारा शिक्षक दिवस का महत्व एवं डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन की शिक्षा में योगदान को साझा करते हुए लक्ष्य के प्रति अडीग रहने की बात कही गई। प्राचार्य एमएल सार्वा ने कहा कि बच्चे कच्ची मिट्टी की तरह होते हैं, जिसे शिक्षक कुम्हार की तरह रूप देते हैं और सच्चा इंसान बनाते हैं।

शिक्षक दिवस समारोह में विशेष रूप से स्पर्श की जिला टीम बाल विवाह के रोकथाम में शिक्षकों का अहम योगदान के थीम लेकर उपस्थित रही तथा शिक्षक व बच्चों को बाल विवाह मुक्त जिला बनाने की शपथ दिलवाई। उभय लाल देशमुख के द्वारा विद्यालय के संचालन, अनुशासन व शिक्षा पर बात करते हुए रामकृष्ण परमहंस व स्वामी विवेकानंद के प्रसंग प्रस्तुत कर स्वामी विवेकानंद की तरह तार्किक होने की बात कही। आमबाई साहू के द्वारा शिक्षकों के सम्मान में गीत प्रस्तुत किया गया। बच्चों ने कविता के शैली में शिक्षकों के व्यक्तित्व वर्णनकर स्नेह प्रदर्शित किया। शाला नायक ईश्वर कुमार के नेतृत्व में कार्यक्रम का संचालन डुपेंद्र कुमार व नेहा के द्वारा किया गया। सौरभ कुमार ने आभार प्रदर्शन किया।

शिक्षक दिवस पर शिक्षकों का सम्मान

जामगांव आर। मंहत पोसुदास शासकीय हाई स्कूल सुरपा के अध्यक्ष प्रमोद जैन ने सदस्यों के साथ स्कूल पहुँच कर शिक्षक दिवस पर उनका सम्मान किया, प्राचार्य सविता सतपथी, सरोज देवांगन, सरिता झा, राजेंद्र वर्मा, रविन्द्र बघेल, लोमश साहू, झामन निर्मलकर उपस्थित थे।

गुण्डरदेही स्कूल में विद्यार्थियों ने किया शिक्षकों का सम्मान

गुण्डरदेही। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गुण्डरदेही में विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्या की देवी मां सरस्वती, सर्वपल्ली डॉ राधाकृष्णन और राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रेरणा पुरुष स्वामी विवेकानंद के तैलचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर मां सरस्वती की वंदना के साथ हुआ। छात्र छात्रओं द्वारा सभी गुरुजनों श्री फल और लेखनी भेंट कर सम्मान किया। प्राचार्य केएस कुल्हारे ने परीक्षा में अपनी अपनी सफलता सुनिश्चित करने हेतु टिप्स दिए, सलंग्न मिडिल स्कूल की प्रधान पाठिका गीताजंली चंद्राकर ने बच्चों को मां और मातृभूमि के प्रति जागरूक किए। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी संजय शुक्ला ने विगत वर्ष आए निराशा जनक परीक्षा परिणाम में गहरा वेदना व्यक्त करते हुए सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों को इस कमियां को दूर करते हुए एक अच्छा परीक्षा परिणाम हेतु सहभागिता सुनिश्चित करने कहा। व्याख्याता मिथलेश चंद्राकर ने पुरानी संस्कृति और व्यंजन पर अपने विचार प्रस्तुत किए, व्याख्याता केके हिरवानी, संकुल समन्वयक किशोर कुमार साहू ने विचार व्यक्त किए। विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक महिमा गीत ,संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतीकरण दिए। सभी अध्यापकों ने बच्चों द्वारा दिए विशय के अनुरूप शायरी, डांस, स्कूल की अच्छाई, स्कूल की बुराई, सबसे प्रिय लगने वाले व्यंजन जैसे विशयों पर अपनी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन अनुशासन प्रतिनिधि पोसिका सिन्हा और छात्र परिषद अध्यक्ष पवन सोनकर ने किया, जिसमें उप शालनायक, क्रीड़ा नायक, सांस्कृतिक सचिव सहित प्राची देशमुख, सैन्य, रागिनी, वीणा, वेणुगोपाल सहित सभी विद्यार्थियों ने अपना सहयोग दिए।

पोला तिहार को लेकर अण्डा क्षेत्र के गांवों में बढ़ी रौनक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अण्डा

पोला तिहार को लेकर अण्डा क्षेत्र के गांवों में उत्साह और रौनक दिखाई देने लगी है। पोला पर्व के नजदीक आते ही गांवों की गलियों और बाजारों में कुम्हारों द्वारा बनाए गए मिट्टी के नदिया बैल और पोला जांता की बिक्री शुरू हो गई है। बच्चे और ग्रामीण इन पारंपरिक खिलौनों की खरीदारी करते नजर आ रहे हैं।

■ बाजारों में सजे मिट्टी के नदिया बैल और पोला जांता, खरीदारी में जुटे बच्चे

कुम्हार परिवार पोला तिहार को ध्यान में रखते हुए कई दिनों पहले से मिट्टी के नदिया बैल, पोला जांता और अन्य पारंपरिक सामग्री तैयार करने में जुट जाते हैं। इसके बाद वे इन्हें गांव-गांव जाकर या गांव के बाजार और गलियों में सजाकर बेचते हैं। रंग-बिरंगे नदिया बैल बच्चों को खास तौर पर आकर्षित कर रहे हैं। पोला तिहार छत्तीसगढ़ की कृषि और ग्रामीण संस्कृति से जुड़ा प्रमुख पर्व है। इस अवसर पर किसान अपने बैलों को नहलाकर, सजाकर उनकी पूजा करते हैं और उनके प्रति आभार व्यक्त करते हैं। वहीं बच्चे मिट्टी के नदिया बैल की पूजा कर पोला की परंपरा में शामिल होते हैं। त्योहार को लेकर घरों में भी तैयारियां शुरू हो गई हैं। महिलाएं पारंपरिक पकवान ठेठरी-खुरमी बनाने की तैयारी में जुटी हैं। गांवों की गलियों में पोला की चर्चा और पारंपरिक सामान बेचते कुम्हारों के कारण माहौल पूरी तरह त्योहारमय नजर आने लगा है।

आधुनिक दौर में भी कुम्हारों द्वारा मिट्टी से बनाए जाने वाले नदिया बैल और पोला जांता पोला तिहार की पुरानी परंपरा को जीवित रखे हुए हैं। इनके जरिए न केवल बच्चों को छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति से जोड़ने का अवसर मिलता है, बल्कि कुम्हार परिवारों को भी त्योहार के समय रोजगार और आय का सहारा मिलता है।

बारिश ने कुंभकारों की उम्मीदों पर फेरा पानी, त्योहारों के ऑर्डर पूरा करना मुश्किल

बालोद/सिकोसा। कुंभकारों ने अपनी अनोखी कला, मेहनत और चिकनी मिट्टी से बने उत्कृष्ट उत्पादों के दम पर न केवल बालोद जिले, बल्कि राज्य के बड़े शहरो तक अपनी पहचान बनाई है, विशेष रुप से तिजा पोला, दीपावली और अन्य त्योहारों के मौके पर कुंभकारों द्वारा बनाए गए मिट्टी के दीपक, कलश, सुराही, गमले और सजावटी सामान विभिन्न शहरों में बड़ी मात्र में भेजे जाते हैं, लेकिन इस साल लगातार हुई बारिश ने कुंभकारों की उम्मीदों पर पानी डालने का काम किया है. बारिश के चलते मिट्टी की उपलब्धता में कमी आने के कारण मिट्टी नही मिल पा रही थी. इस वजह से कुंभकारों को ऑर्डर पूरा करने में समस्या आ रही है।

कुंभकार आशकरण ने बताया कि सिकोसा बालोद जिले की मिट्टी अपनी विशेष चिकनाई और लचीलापन के कारण दीपक एवं मिट्टी के बर्तनों के लिए कुंभकारों की पसंद रही है. यही कारण है कि स्थानीय कुंभकार पीढ़ियों से इस मिट्टी से दीपक और सजावटी सामान तैयार करते आ रहे हैं सैंकड़ों परिवार परंपरागत कला से जुड़े हुए।

झीरम नक्सली हमले में अधूरा न्याय मिलने का कांग्रेस ने लगाया आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बालोद

झीरम नक्सली हमले पर राष्ट्रीय जांच एजेंसीके चार्जशीट के आधार पर जगदलपुर एनआईए अदालत के फैसले के मद्देनजर कांग्रेस पार्टी का पक्ष एवं इस पूरे प्रकरण में जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों को जनता के समक्ष रखे जाने हेतु जिला कांग्रेस कमेटी बालोद द्वारा पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया।

■ जिला कांग्रेस कमेटी बालोद ने पत्रकार वार्ता कर उठाए जांच और साजिश से जुड़े सवाल

पत्रकार वार्ता मे जिला कांग्रेस कमेटी बालोद के अध्यक्ष चंद्रेश हिरवानी ने कहा कि 23 मई 2013 को हुए झीरम घाटी नरसंहार में कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व सहित 29 लोगों की निर्मम हत्या हुई थी। इस पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी के हालिया फैसले पर कांग्रेस ने इसे झीरम कांड के पीड़ित परिवारों और प्रदेश की जनता के लिए आधा–अधूरा न्याय बताया है, क्योंकि इस निर्णय से घटना के वास्तविक षड्यंत्रकारियों और राजनीतिक पहलुओं पर से पर्दा नहीं उठ सका है। एनआईए की जांच शुरू से ही सीमित दायरे में रही और एजेंसी ने घटना के राजनीतिक पहलुओं की गहराई से जांच नहीं की। जिन लोगों को गिरफ्तार कर दोषी ठहराया गया, वे नक्सली संगठन के छोटे स्तर के सदस्य थे, खाना बनाने वाले और राशन पहुंचाने वाले लोग थे, जबकि इतने बड़े नरसंहार के पीछे मौजूद बड़े नक्सली नेताओं और संभावित साजिशकर्ताओं की भूमिका को लेकर कई महत्वपूर्ण प्रश्न आज भी अनुत्तरित हैं।

कांग्रेस ने सवाल उठाया है कि झीरम हमले के दौरान कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा की सुरक्षा क्यों हटाई गई, यात्रा का मार्ग किसके निर्देश पर बदला गया और हमले की पूरी योजना किसने बनाई। साथ ही यह भी पूछा कि जिन नक्सलियों ने बाद में आत्मसमर्पण किया, उनसे इस मामले में प्रभावी पूछताछ क्यों नहीं की गई तथा घटना के प्रत्यक्षदर्शियों और घायलों के बयान जांच में पर्याप्त रूप से शामिल क्यों नहीं किए गए ?

जिलाध्यक्ष श्री हिरवानी ने यह भी कहा कि प्रारंभिक जांच और एफआईआर में जिन बड़े नक्सली नेताओं के नाम शामिल थे, उन्हें बाद में चार्जशीट से हटा दिया गया। इस संबंध में जनता के सामने स्पष्ट किया जाए कि आखिर किन परिस्थितियों में इन नामों को हटाया गया और उन व्यक्तियों से पूछताछ क्यों नहीं की गई?

संजारी बालोद विधायक एवं प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष संगीता सिन्हा ने आरोप लगाया कि झीरम मामले में भाजपा की तत्कालीन सरकार शुरू से ही संदेह के घेरे में रही है, विभिन्न स्तरों पर जांच को प्रभावित करने और सत्य को सामने आने से रोकने का प्रयास किया गया। कांग्रेस का मानना है कि झीरम कांड केवल एक नक्सली हमला नहीं बल्कि लोकतंत्र और राजनीतिक विरोध की आवाज को कुचलने की सुनियोजित साजिश थी, जिसकी पूरी सच्चाई अभी भी सामने आना बाकी है। उन्होंने मांग की है कि झीरम नरसंहार की व्यापक, निष्पक्ष और सभी पहलुओं को शामिल करने वाली जांच कराई जाए ताकि शहीद नेताओं और कार्यकर्ताओं के परिवारों को वास्तविक न्याय मिल सके तथा इस ऐतिहासिक त्रसदी की पूरी सच्चाई देश के सामने आ सके। प्रेसवार्ता के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी विधायक प्रतिनिधि कमलेश श्रीवास्तव, नगर पालिका नेता प्रतिपक्ष कासिमुद्दीन कुरैशी उपस्थित रहे।

समता भवन में प्रवचन श्रृंखला के दौरान परिवार, समाज और धर्म के प्रति कर्तव्यों पर दिया संदेश

प्रेम, त्याग और वर्तमान में जीने से जीवन बनेगा आनंदमय : अक्षयमुनि जी मसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बालोद

वह घर नहीं बिखरता जहां बड़ों का फैसला माना जाता है, यदि परिवार का हर आदमी फैसला लेने लग जाए तो वह घर बिखर जाता है। परिवार भी शोक में डूब जाए ऐसा शौक इंसान नहीं पाले, दूसरों की बुराई करके अपनी प्रशंसा करना ठीक नहीं है, जिन शासन की रक्षा करना केवल साधु साध्वी का ही नहीं बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है, दुनिया से अपेक्षा मत करो छोड़ दो, दुनिया बोलती है कि खुश रहो, लेकिन खुश रहने नहीं देती, दुनिया जीने नहीं देती, हमेशा नीचे की ओर धकेलने में लगे रहती है। दूसरों के भरोसे जीने की अपेक्षा अकेले रहो। उक्त उद्गार समता भवन बालोद में प्रवचन श्रृंखला में शासन दीपक श्री अक्षयमुनि जी मसा ने कहीं।

भगवान महावीर स्वामी को जन्म से ही तीन ज्ञान मति, श्रुत व अवधि ज्ञान प्राप्त था, संसार में अनंतानंत प्राणी है, जिनमें मोक्ष भी निरंतर जाते हैं। मोक्ष यानी अपने स्वरूप में आ जाना। किसी को धन का नशा, किसी को भांग का नशा, किसी को शराब का नशा होता है, सभी के अपने अपने साइड इफेक्ट होते हैं। नशा से स्वबोध आना मुश्किल है। परिवार भी शोक में डूब जाए ऐसा शौक इंसान नहीं पाले, उससे अच्छा पहले ही इच्छा को खत्म कर दो। इंसान को जो चीज नहीं मिली है उसको पाने की चाह रखता है, और जो मिला है उसका पता नहीं। माता–पिता, भाई परिवार में सब मिले हैं लेकिन समय आने पर धन ,संपत्ति जमीन जायदाद से भाई भाई लड पड़ते हैं, दोनों को एक होना मुश्किल हो जाता है। यह सारे कमोंर् का खेल है, यह समझ में आना चाहिए। इंसान के पास बचपन है तब धन नहीं होता है, जवानी आती है धन, शक्ति होती है किंतु समय नहीं होता तथा जब बुढ़ापा आता है समय, धन दोनों होता है लेकिन उस समय शक्ति नहीं होती।

■ दूसरों से अपेक्षा छोड़कर वर्तमान में जीने का दिया संदेश

श्री अक्षय मुनि जी मसा ने धर्म सभा में कहा कि इस जिंदगी में प्रेम नहीं जगे तो जीने की कोई संभावना ही नहीं बचेगा । एकला चलो नीति अपनानी पड़ेगी, गुटबाजी, राजनीति से दूर रहना होगा। इंसान जिंदगी को समझ नहीं पा रहा है। दिमाग को कंप्यूटर जैसा मत समझो, यह सब बुद्धि से समझ नहीं आएगा। पल–पल आनंदित होकर जियो, भूत भविष्य विचारों में मत खोइए, वर्तमान में जिओ व मस्त रहो हो। किताबी ज्ञान व धन में कोई फर्क नहीं पड़ता, समाज में पैसे वालों का दबदबा होता है, लेकिन अहंकार मत करना। सरल बनना, मां प्रेम बांटती है। दुख दोगे तो दुख मिलेगा और सुख देंगे तो हमें 100 गुना वापस मिलेगा। धर्म ध्यान समझ से करो, व्यक्ति का स्वभाव है मैं की ओर जाना, जो नीचे की ओर ले जाता है। उसी प्रकार प्रत्येक नागरिक का काम है कि भारत देश में अपना अमूल योगदान व कर्तव्य निभाएं। उन्होने कहा आनंद आकाश की तरह है, दुनिया में त्यागने योग्य है दूसरों से अपेक्षा मत करो, छोड़ दो। निर्दोष आदमी का चेहरा सौम्य रहता है। समाज में कई तरह के लोग रहते हैं हम सब मिलकर रहेंगे तो समाज महकेगा, चमकेगा। 'जिन शासन की रक्षा संप्रदाय से टिकी हुई है साधुओं ने जोड़ रखा है, जागरूक रहे। समाज में नैतिक जिम्मेदारी अपनाना होगा जिससे धर्म महकता है। जैन संत श्री अक्षय मुनि मसा की प्रेरणा से चातुर्मास में तपस्या की कड़ी में कुसुम सौरभ नाहटा ने 22 उपवास तपस्या, सोनम श्रीश्रीमाल ने 7, रितु बाफना, पायल नाहटा,वर्णिका लोढ़ा ने 6, यशी लोढा, सोनाक्षी लोढ़ा ने 5, गुंजन जैन कमरौद ने 3, शिल्पा कोटडिया खैरागढ़ ने 11 उपवास तपस्या ग्रहण किया।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

धारदार हथियार लेकर डराने वाला गिरफ्तार

भिलाई। धारदार हथियार लेकर लोगों को धमकाने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मोहन नगर पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर धमधा रोड सब्जी मंडी के पास दुर्ग में वार्ड 58, उरला नहरपारा दुर्ग निवासी दीपक कुमार साहू हथियार लेकर लोगों को धमका रहा था। मौके पर पहुंची पुलिस ने घेराबंदी कर युवक को पकड़ा है। उसके पास से पुलिस ने लोहे 1 धारदार हथियार जब्त किया। जिसकी कीमत 400 रुपये आंकी गई है।

युकां प्रत्याशी आपस में भिड़े

भिलाई। युवा कांग्रेस के चुनाव प्रचार के दौरान दोनों प्रत्याशियों के भाईयों के बीच विवाद का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। मामला खुर्सीपार थाना क्षेत्र का है। जहां चुनाव प्रचार के सिलसिले में पहुंचे दो पक्षों के युवाओं के बीच पहले किसी बात को लेकर बहस हुई। इसके बाद मामला धक्का-मुक्की और झूमाझटकी तक पहुंच गया। विवाद बढ़ता देख पुलिस मौके पर पहुंची जहां दोनों पक्षों को अलग करना पड़ा। वीडियो में कांग्रेसी पार्षद सुभ्रदा सिंह के बारे में एक युवक गुंडागर्दी करने का आरोप लगाते सुना जा सकता है। मिली जानकारी के मुताबिक विवाद की वजह कोहनी मारने की बात को लेकर दोनों के बीच बहस शुरू हो गई। एक पक्ष ने पूछा कि कोहनी क्यों मारी। इस पर बात बढ़ी और दोनों तरफ से तीखी बातें होने लगीं। दोनों पक्ष खुर्सीपार में यूथ कांग्रेस को लेकर बैठक करने पहुंचे थे। भिलाई नगर विधानसभा अध्यक्ष के लिए कांग्रेस पार्षद सुभ्रदा सिंह का बेटा रॉबिन सिंह चुनाव लड़ रहा है। रॉबिन सिंह के चुनाव प्रचार के सिलसिले में पार्षद सुभ्रदा सिंह अपने दूसरे बेटे रोहन सिंह के साथ खुर्सीपार पहुंची थी। यहां पर पहले से मौजूद दूसरे गुट की ओर से भिलाई नगर विधानसभा प्रत्याशी अर्जुन शर्मा अपने भाई शुभम शर्मा के साथ मौजूद था। शुभम शर्मा और रोहन सिंह के बीच विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते बात दोनों पक्षों में धक्का-मुक्की शुरू हो गई।

तैयारी : कुम्हारपारा में दिन-रात जुटे कारीगर, काली मिट्टी से तैयार हो रहे भगवान गणेश के विभिन्न स्वरूप

आकार ले रही गणेश की प्रतिमाएं, अंतिम रूप देने में जुटे कारीगर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दल्लीराजहरा

गणेश उत्सव को लेकर लौह नगरी दल्लीराजहरा में तैयारियां तेज हो गई हैं। शहर के विभिन्न स्थानों पर भगवान गणेश की आकर्षक प्रतिमाएं आकार लेने लगी हैं। कुम्हारपारा और प्रतिमा निर्माण के स्थानों पर काली मिट्टी को गूंथकर कारीगर भगवान गणेश के अलग-अलग स्वरूप तैयार करने में दिन-रात जुटे हुए हैं। कहीं गणेशजी की प्रतिमा का ढांचा तैयार हो चुका है तो कहीं चेहरे की भाव-भंगिमा, मुकुट, आभूषण और रंग-रोगन का काम अंतिम चरण में पहुंच गया है।

इस बार भी दल्लीराजहरा में कोलकाता से आए अनुभवी कारीगरों के साथ आसपास के क्षेत्र के स्थानीय कारीगर भगवान गणेश की प्रतिमाओं को अंतिम रूप दे रहे हैं। कारीगरों की उंगलियों के हुनर से साधारण मिट्टी धीरे-धीरे आकर्षक गणेश प्रतिमा का स्वरूप ले रही है। प्रतिमाओं में भगवान गणेश के अलग-अलग रूप, मुद्राएं और आकर्षक सजावट देखने को मिल रही है।

काली मिट्टी से बन रही प्रतिमाएं बनी आकर्षण

प्रतिमा निर्माण में उपयोग की जा रही काली मिट्टी को पहले अच्छी तरह तैयार किया जाता है। इसके बाद मिट्टी को आवश्यकतानुसार आकार देकर प्रतिमा का ढांचा बनाया जाता है। सूखने के बाद प्रतिमा पर रंग-रोगन और सजावट का काम किया जाता है। कारीगरों का कहना है कि मिट्टी की गुणवत्ता प्रतिमा की मजबूती और उसके स्वरूप को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। छोटी प्रतिमाओं से लेकर कई फीट ऊंची प्रतिमाओं तक इस बार विभिन्न आकार में गणेशजी तैयार किए जा रहे हैं। कई प्रतिमाओं में पारंपरिक स्वरूप के साथ आधुनिक कलात्मकता का भी समावेश किया जा रहा है। आकर्षक मुकुट, आभूषण, वस्त्र और विभिन्न रंगों के प्रयोग से प्रतिमाओं को विशेष रूप दिया जा रहा है।

आकार और सजावट के अनुसार अलग-अलग कीमत

बाजार में इस बार छोटी-बड़ी गणेश प्रतिमाओं की अलग-अलग कीमत निर्धारित की जा रही है। सामान्य छोटी प्रतिमाएं लगभग ₹300 से ₹700 तक, मध्यम आकार की प्रतिमाएं ₹800 से ₹2,000 तक तथा बड़ी और अधिक सजावटी प्रतिमाएं लगभग ₹2,500 से ₹5,000 या उससे अधिक कीमत में उपलब्ध होने की संभावना है। हालांकि प्रतिमा की ऊंचाई, डिजाइन, रंग-रोगन, सजावट और निर्माण की मेहनत के अनुसार कीमत में अंतर हो सकता है। कारीगरों के अनुसार गणेश उत्सव नजदीक आने के साथ प्रतिमाओं की मांग और खरीदारी में तेजी आने की उम्मीद है।

कारीगरों के लिए भी उत्सव का मौसम

प्रतिमा निर्माण से जुड़े कारीगरों के लिए गणेश उत्सव का समय रोजगार और आमदनी की दृष्टि से महत्वपूर्ण होता है। कई परिवार इस काम से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े रहते हैं। कोलकाता सहित अन्य क्षेत्रों से आने वाले कारीगर कई सप्ताह पहले से दल्लीराजहरा में डेरा डालकर प्रतिमाओं का निर्माण शुरू कर देते हैं। कारीगरों आकाश शाह, निर्मल बंगाली, मिंटू कहना है कि इस वर्ष मिट्टी की प्रतिमाओं को लेकर लोगों में अच्छा उत्साह देखने को मिल रहा है। कारीगरों का कहना है कि प्रतिमा बनाना केवल रोजगार नहीं बल्कि कला और आस्था से जुड़ा काम है। एक प्रतिमा को तैयार करने में मिट्टी तैयार करने से लेकर ढांचा बनाने, सुखाने, रंग करने और सजावट तक कई चरणों से गुजरना पड़ता है। अंतिम रूप मिलने के बाद जब श्रद्धालु प्रतिमा पसंद कर उसे अपने साथ ले जाते हैं तो कारीगरों को अपनी मेहनत सफल होने का संतोष मिलता है। गणेश उत्सव को लेकर शहर में प्रतिमाओं के साथ-साथ पूजा सामग्री, सजावट और अन्य आवश्यक सामान की दुकानों पर भी धीरे-धीरे रौनक बढ़ने लगी है। आने वाले दिनों में गणेश प्रतिमाओं की बिक्री और बाजार की चहल-पहल और बढ़ने की उम्मीद है। शहर के विभिन्न गणेश उत्सव समितियां भी स्थापना और आयोजन की तैयारियों में जुट गई हैं।

जुन्नापानी में हर्षोल्लास से मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

डौंडीलोहारा। वनांचल के आश्रित ग्राम जुन्नापानी में कोसरिया राऊत यादव समाज पंचायत जुन्नापानी के तत्वावधान में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व हर्षोल्लास, उमंग और धार्मिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। आयोजन को लेकर यादव समाज के लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला। जन्माष्टमी के अवसर पर दिन में भगवान श्रीकृष्ण की आकर्षक झांकी सजाकर गोप-गोपियों के साथ गली भ्रमण कराया गया। इस दौरान यादव समाज के बंधु पारंपरिक उत्साह के साथ नाचते-गाते हुए भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में झूमते नजर आए। ग्रामीणों ने भी जगह-जगह भगवान श्रीकृष्ण की झांकी का स्वागत किया और पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। गली भ्रमण के पश्चात रात्रि में नवजागृति मानस परिवार जुन्नापानी द्वारा भक्तिमय मानस गायन का आयोजन किया गया। मानस गायन एवं भजनों से देर रात तक पूरा गांव भक्तिरस में सराबोर रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण की आरती एवं पूजा-अर्चना कर प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर यादव समाज के पदाधिकारी, महिलाएं, युवा, बच्चे एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

कृष्ण जन्माष्टमी व शिक्षक दिवस समारोह धूमधाम से मनाया

डौंडीलोहारा। ग्राम चिल्हाटी कला के शांति चौक में प्रत्येक वर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी एवं शिक्षक दिवस का संयुक्त आयोजन हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ किया गया। धार्मिक आस्था और गुरुजनों के सम्मान से जुड़े इस आयोजन में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम सरपंच हुमलेश्वरी भुआर्य उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का मंच संचालन परमेश्वर यादव एवं पंच नीता पटेल ने किया। समारोह के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। इसके साथ ही शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों के समाज एवं राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान को याद करते हुए उनका सम्मान किया गया। कार्यक्रम में शिक्षक रमेश कुम्हडीया, डोमार धलेन्द्र, शीतल साय कोसमा, आशा कोसमा, कुमारी बाई सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में आयोजक मंडल के सदस्य एवन पटेल, निर्मला पटेल, खिलेश्वरी पटेल, कौशल्या, झनक, मंजू, चांदनी सहित सभी सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजन में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर सहयोग किया।

दो दिनी रामचरितमानस पाठ संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| डौंडीलोहारा

समीप के ग्राम बैहाकुआं में प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी शनिवार एवं रविवार को दो दिवसीय रामचरितमानस पाठ का आयोजन राम मंदिर प्रांगण में श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ किया गया। आयोजन की शुरुआत भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण एवं हनुमान जी की विधिवत पूजा-अर्चना से हुई।

इसके बाद महाराज जी द्वारा पूजन एवं हवन संपन्न कराया गया। दो दिवसीय आयोजन के दौरान ग्रामवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए स्वयं रामचरितमानस का गायन किया। श्रद्धालुओं ने संगीतमय ढंग से रामचरितमानस की चौपाइयों एवं प्रसंगों का वाचन कर पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने मंदिर प्रांगण में उपस्थित होकर कथा एवं मानस गायन का श्रवण किया तथा भगवान श्रीराम की आराधना की। महिला, पुरुष एवं बच्चों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता निभाई। ग्रामवासियों का कहना है कि रामचरितमानस का सामूहिक पाठ धार्मिक आस्था के साथ-साथ आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता को मजबूत करने का माध्यम भी है। आयोजन के समापन अवसर पर भगवान श्रीराम की आरती एवं पूजा-अर्चना कर ग्राम की सुख-समृद्धि तथा खुशहाली की कामना की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में सरपंच किशोर कुमार साहू सहित समस्त ग्रामवासियों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। ग्रामवासियों ने भविष्य में भी इस धार्मिक परंपरा को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

बैठक में योग शिविर आयोजन पर बनी सहमति

जामगांव आर। उप तहसील जामगांव आर स्तरीय योग समिति की योग सह बैठक ब्रह्ममुहूर्त प्रातः 5 बजे से 6 बजे रविवार को संपन्न हुई। समिति अध्यक्ष डॉ गुलाब साहू, उपाध्यक्ष ढाल सिंह साहू, सहसचिव इंद्रकुमार साहू, संरक्षक कामता प्रसाद साहू, संगठक आसकरण जैन सदस्य शिक्षा विद योगेंद्र साहू, संभु कुमार साहू समाजसेवी भावेश साहू, अंगेश्वर साहू मंचासिन रहे। अध्यक्ष डॉ गुलाब साहू ने कहा कि वर्षा ऋतु के बाद शीत ऋतु अर्थात योग ऋतु का आगमन होने वाला है।

उन्होंने कहा योग ऋतु में उपतहसील स्तरीय योग शिविर का आयोजन कर योग से निरोग और स्वस्थ जीवन का संयोग जन जन में पिरोना है। उपाध्यक्ष ढाल सिंह साहू ने कहा कि योग प्रकृति प्रदत्त स्व चिकित्सा है, जिसे सभी को अपना कर स्वस्थ जीवन जीना चाहिए। योग के लिए प्रेरणा देना, लाभ पहुंचाना भी पुण्य कार्य है। सह सचिव इंद्रकुमार साहू ने कहा कि योग हमें देता है स्वस्थ तन, मन, हम भी तो दूसरों को योग देना सीखे। सरंक्षक कामता प्रसाद साहू ने कहा कि योग तन को स्वस्थ रखता है, ऊर्जावान बनाता है, विचारवान बनाता है, दवाईयों के बोझ से बचाता है, जीवन को कुशलता से जीने की राह दिखाता है, फिर भी योग से दूरी विडंबना है। शिक्षाविद् वाईके साहू, शंभू साहू ने कहा कि योग अपनाओ कष्ट मय जीवन से मुक्ति पाओ।

कलंगपुर कबड्डी प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

गुण्डरदेही। ग्राम कलंगपुर में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि मंडलेश्वर सिन्हा समाज अजुंर्दा जसवंत सिन्हा थे। जसवंत सिन्हा ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होने खेल भावना के साथ अच्छे खेल के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर मुंदेरा सरपंच प्रीति ग्वालियर विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में जोगीमठ बाबा क्लब के आयोजक ग्रुप एवं आयोजन समिति के सदस्य मौजूद रहे। अतिथियों एवं आयोजन समिति द्वारा खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाते हुए खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया गया। जसवंत सिन्हा ने जोगीमठ बाबा क्लब आयोजन समिति द्वारा दिए गए स्नेह, सम्मान एवं आत्मीय स्वागत के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन के लिए सहयोग राशि प्रदान की तथा आगामी वर्षों में भी खेल एवं खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए अपना सहयोग जारी रखने की बात कही। इस दौरान जसवंत सिन्हा ने ग्राम कलंगपुर के बाजार में हनुमान जी की प्रतिमा स्थापित कराने का वादा भी किया।

विभिन्न कैरियर विकल्प, उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की दी

बेलौदी महाविद्यालय में विद्यार्थियों को दिया कैरियर निर्माण का मार्गदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बालोद/सिकोसा

शासकीय नवीन महाविद्यालय बेलौदी में विद्यार्थियों के कैरियर निर्माण को ध्यान में रखते हुए एजुकेशन एकेडमिक, के सहयोग से कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को विभिन्न कैरियर विकल्पों, उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं तथा रोजगार के अवसरों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता खिलेश तिवारी एवं तरुण कुमार साहू ने विद्यार्थियों को वर्तमान समय में उपलब्ध विभिन्न अवसरों की जानकारी देते हुए सही लक्ष्य निर्धारित करने तथा उसके लिए योजनाबद्ध तरीके से तैयारी करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए कैरियर चयन से संबंधित सुझाव भी दिए। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. दीनदयाल दिल्लीवार ने विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, समय प्रबंधन, लक्ष्य निर्धारण एवं नियमित अध्ययन से संबंधित मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के जनभागीदारी अध्यक्ष राहुल साहू, राहुल उपाध्याय, घनश्याम साहू, भेपेन्द्र साहू, तुलेश्वर साहू, गोकुल, डॉ. बिसनाथ साहू, डॉ. मनीषा रात्रे, डॉ. सुधा यादव, रूचि वर्मा, तेजस्विनी साहू, सीमा एक्का, कृतिका रंगारी, प्रेम नारायण भंडारी, भूपेंद्र, नंदिनी साहू, कामेश, युगलकिशोर एवं प्रवीण साहू तुकेश्वर मंडावी सहित महाविद्यालय के स्टाफ एवं छात्र–छात्रएं उपस्थित रहे। डॉ. प्रविनयलता मार्कण्डेय ने आभार व्यक्त किया।

महिलाओं के लिए आयोजित हुईं मनोरंजक एवं ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताएं

भरदाकला में धूमधाम से मनाया तीजा-पोरा महोत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बालोद/निकुम

तहसील साहू संघ अर्जुन्दा के तत्वावधान में ग्राम भरदाकला में छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति, परंपरा और महिला सम्मान को समर्पित तीजा–पोरा महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। मां कर्मा माता की पूजा कर दीप प्रज्वलित किया गया, वही मुख्य अतिथि राज्य महिला आयोग अध्यक्ष डॉ ममता साहू रही, अध्यक्षता अध्यक्ष प्रदेश साहू समाज डॉ नीरेंद्र साहू रहे किया।

तहसील साहू समाज द्वारा महोत्सव के दौरान महिलाओं के लिए विभिन्न मनोरंजक एवं ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें गुब्बारा खेल, प्रश्नोत्तरी, रस्साकशी, चम्मच दौड़ सहित कई प्रतियोगिताएं शामिल रहीं। प्रतियोगिताओं में महिलाओं ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ हिस्सा लिया।

कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि डॉ ममता साहू ने हुए कहा कि तीजा–पोरा केवल पर्व नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, पारिवारिक परंपरा और सामाजिक जुड़ाव का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से महिलाओं को सम्मान देने के साथ उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच भी मिलता है, साहू समाज ने महिला सशक्तिकरण में अनुकरणीय पहल किया है पूर्व विधायक वीरेंद्र साहू ने कहा कि महिलाओं के सम्मान को विशेष प्राथमिकता दी गई।

आयोजन ने यह संदेश दिया कि समाज की प्रगति में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है और उनके सम्मान व सहभागिता के बिना सामाजिक विकास अधूरा है। कार्यक्रम में पूर्व विधायक खुज्जी छन्नी साहू, दिव्या कलिहारी, सहसंयोजक प्रदेश साहू संघ सुचित्र साहू, संगठन मंत्री पवन सोनवर्षा, जनपद सदस्य टूकेश्वरी भूपेंद्र साहू, जिला पंचायत सदस्य मीना उमाशंकर साहू सहित समाज के पदाधिकारी,एवं बड़ी संख्या में समाज की महिलाएं उपस्थित रहे, प्रतिभागी महिला विजेताओं को सम्मानित किया।

तुरंत आराम के लिए
तुलसी आयुर्वेदिक चिकित्सालय
पता - तुलसी निवास, बस स्टैंड के पीछे, उपाध्याय नर्सिंग होम के सामने, धमतरी मो.नं. : 9993010732
लकवा रोग, वातरोग - सभी प्रकार के दर्द, गठियाबात, साइटिका, झुनझुनी वात, कमरदर्द, घुटना दर्द, अकड़न, नस रोग का इलाज
चर्मरोग - दाद, खुजली, केमची, मुंह में छाला होना का इलाज
पेट रोग - कब्ज, गैस, भूख न लगना, खट्टी डकार आना का इलाज
बवासीर - मस्सा होना, खून निकलना, खुजली होना का इलाज
पुरूष रोग - घातुस्राव, शीघ्रपतन व कमजोरी का इलाज
स्त्री रोग - लाल, सफेद पानी आना, मासिक रुकावट का इलाज
बुखार, खांसी, स्वांसरोग, मूत्ररोग, केशरोग, दांतरोग का इलाज